

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था
सत्संग शिक्षण परीक्षा

बाल सत्संग - २

(रविवार, १८ जुलाई, २००४)

समय : सुबह ९:०० से ११:००

कुल अंक : १००

वर्गखंड में उपस्थित परीक्षार्थी स्वयं ही अपना विवरणयुक्त स्टीकर लगाएँ। बिना स्टीकर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं रहेगी।

**स्टीकर
इस कोष्ठक
में ही लगाएँ।**

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर स्टीकर लगाने का नहीं है।

निम्न जानकारी परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है

परीक्षार्थी की बैठकक्रमांक
(अंको में)

--	--	--	--	--	--

मंडल : क्षेत्र :

परीक्षार्थी की कक्षा : उम्र :

परीक्षार्थी द्वारा लगाएँ गए स्टीकर तथा उपरोक्त विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग सुपरवाइज़र हस्ताक्षर करें।

वर्ग सुपरवाइज़र के हस्ताक्षर

सूचनाएँ :-

- मुख्य परीक्षा के दिन वर्गखंड में उपस्थित प्रत्येक परीक्षार्थी वर्ग सुपरवाइज़र से अपना विवरणयुक्त स्टीकर प्राप्तकर अपनी उत्तर पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर लगाकर वर्ग सुपरवाइज़र के हस्ताक्षर करा ले।
- वर्ग सुपरवाइज़र के हस्ताक्षर बिना की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी।
- दायीं ओर दिए गए अंक प्रश्न के पूर्णांक हैं।
- सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
- छेकछाक वाले उत्तर अमान्य होंगे।
- परीक्षार्थी केवल ब्लू या काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में लिखे। पेन्सिल से अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर मान्य नहीं होंगे।

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न संख्या	प्राप्तांक
	१.	
	२.	
	३.	
	४.	
	५.	
	६.	
	७.	
	८.	
	९.	
	१०.	
	स्वच्छ अक्षर	
	कुल	

बढ़िया, सुंदर और स्वच्छ लिखावट के लिए पाँच गुणांक आरक्षित हैं।

परीक्षक के हस्ताक्षर :

.....



प्र. १ कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से योग्य शब्द का चयन करके रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए । [१०]

१. संवत् १८८६ के के दिन श्रीजीमहाराज ने शरीर का त्याग किया ।
(चैत्र शुक्ला नवमी, जेठ शुक्ला नवमी, जेठ शुक्ला दसमी)
२. आधी रात तक बरसते पानी में महाराज के दर्शन करने के लिए
स्वामी खड़े रहे । (मुक्तानंद, गुणातीतानंद, ब्रह्मानंद)
३. सूरत में ने महाराज के पास कुछ पवित्र चीज माँगी ।
(अरदेशर कोतवाल, पीरुशा, अंग्रेज)
४. योगीजी महाराज ने साल की आयु में दीक्षा ली । (सोलह, सत्तराह, उन्नीस)
५. तिलक का प्रतीक है और टीका श्रीजीमहाराज का प्रतीक है ।
(धर्म, अक्षरधाम, स्वामिनारायण)
६. महाराज ने को मूलजी भक्त की महिमा समझाई ।
(हेतबा, पूरीबा, साकरबा)
७. महाराज ने झीणाभाई को बार गले लगाया । (सात, पंद्राह, बाईस)
८. महाराज ने दादाखाचर को मास के बाद जागीर वापस कर दी ।
(छ, दस, बार)
९. शांतिलाल को में पार्षदी दीक्षा मिली ।
(अहमदाबाद, गोंडल, बोचासण)
१०. उन्नीसवें साधु को दीक्षा देकर उसका नाम स्वामी रखा ।
(अद्भुतानंद, अद्वैतानंद, अखंडानंद)

प्र. २ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए ।

[१०]

१. मुक्तानंद स्वामी ने गुणातीतानंद स्वामी में कौन से गुण देखें ?
.....
२. श्रीजीमहाराज ने घर-संसार छोड़ने के लिए जिन्हें पत्र लिखे थे वे लोग कैसे थे ?
.....
३. श्रीजीमहाराज ने सगराम के घर में क्या खाया ?
.....
४. जिस घर में मंदिर नहीं वह घर कैसा होता है ?
.....

प्राप्त गुण : प्रश्न-२

प्रश्न-३

५. मालण नदी के तट पर प्रागजी भक्त अपने मित्रों से क्या कहते थे ?

.....

६. तिलक-टीका करने से क्या लाभ होता है ? किन्हीं एक लाभ लिखे ।

.....

७. शांति भगत को भागवती दीक्षा देकर शास्त्रीजी महाराज ने योगीजी महाराज से क्या कहाँ ?

.....

८. गन्ने की फसल को पानी देते समय मूलजी को महाराज के दर्शन हुए तब महाराज ने क्या पहना था ?

.....

९. गुणातीतानंद स्वामी ने कब अपना शरीर छोड़ दिया ?

.....

१०. गाँव के ठाकुर ने अपने आदमी को साधुओं को मारने के लिए क्यों आदेश दिया ?

.....

प्र. ३ निम्नलिखित वाक्य कौन किससे कहते हैं, यह लिखिए । (किन्हीं पाँच)

[१०]

१. “प्रभु ! उसका नामकरण करो और उसे आशीर्वाद दो ।”

.....

२. “सब थक गए हैं, तुम नहीं थके ?”

.....

३. “वह कभी नहीं खाएगा । क्योंकि यह उसका भोजन ही नहीं है ।”

.....

४. “परन्तु तुम्हें अपने हाथों से पीसकर देना होगा ।”

.....

५. “यदि रास्ते में कोई भूत-प्रेत आए होते तो इस लकड़ी से मार-मारकर भगा देता ।”

.....

६. “नीकल चलो, आप का समय हो चुका है ।”

.....

७. “आज तो एकादशी का दिन है, और मुझे व्रत का उपवास करना है ।”

.....

प्र. ४ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर तीन पंक्तियों में दीजिए । (किन्हीं पाँच)

[१०]

१. श्रवण माता-पिता की कैसे सेवा करता था ?

.....

२. स्वामी को क्या क्या पसंद है ?

.....

३. मूलु खाचर को हुक्के का व्यसन कैसे बंद हो गया ?

.....

४. सर्वडत्र सुखिनः सन्तु..... श्लोक का अर्थ लिखिए ।

.....

५. गुणातीतानंद स्वामी ने मुंजा सूरु को क्या अनुभव कराया ?

.....

६. स्वामी की आज्ञा का उल्लंघन करने से भगुभाई को क्या कष्ट हुआ ?

.....

प्राप्त गुण : प्रश्न-४ प्रश्न-५

७. महाराज ने मूलजी भक्त का नाम 'गुणातीतानंद' क्यों रखा ?

.....
.....
.....

प्र. ५ निम्नलिखित सही वाक्यों के सामने ✓ और गलत वाक्यों के सामने X चिह्न कीजिए । [१०]

१. वृद्धावस्था ही भजन करने की उम्र होती है ।
२. मालिक जैसा कहे वैसा करें वही दास ।
३. महाराज की आज्ञा है की यदि कोई हमारा बुरा करे, फिर भी हमें तो उसका भला ही करना चाहिए ।
४. जगजीवन ने अपनी महत्ता दिखाने के लिए महाराज को यज्ञ में निमंत्रित किया ।
५. दो होंठ - भगवान की वाणी सुनने के लिए ।
६. महाराज ने वचनामृत में अपने अनुयायियों को तिलक लगाने का आदेश दिया है ।
७. यदि स्त्री का स्पर्श हो जाए तो संत को निर्जल उपवास करना होता है ।
८. सप्ताह में एक बार एकादशी का व्रत करना ।
९. शांतिलाल ने घर छोड़ा और बोचासण गए ।
१०. हिरण्यकशिपु की बहन का नाम होलिका था ।

प्र. ६ निम्नलिखित किसी एक पाठ पर दस पंक्तियों में टिप्पणी लिखें । [१०]

१. बीमार साधुओं की सेवा में ।
२. तेरह पैसे की जय ।
३. कम देकर अधिक लेने की विद्या ।

()

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्र. ७ निम्नलिखित स्वामी की बातें पूर्ण कीजिए । (किन्हीं पाँच)

[१०]

१. बुद्धिमान को
-
-
-
२. भगवान जीव के गुनाह की
-
-
-
३. जो भगवान की भक्ति करना
-
-
-
४. इस लोक में बुद्धिमान तो
-
-
-
५. यदि महान सत्पुरुष.....
-
-
-
६. भगवान और भगवान के
-
-
-

प्राप्त गुण : प्रश्न-७

प्रश्न-८

७. सत्य, हित और प्रिय

.....

.....

प्र. ८ विभाग 'ब' में से योग्य शब्द पसंद कर विभाग 'अ' के साथ जोड़े बनाइए । [५]

'अ'	'ब'
१. पाप का पर्वत	१. मूलजी भक्त
२. अनादिकाल के सत्संगी	२. दादाखाचर
३. चौथा मजदूर मैं	३. मुंजो सुरू
४. दरबार नौकर बने	४. शांतिलाल
५. ये तो हमारे हैं	५. झीणाभाई

प्र. ९ निम्नलिखित कीर्तन/अष्टक/श्लोक की पाद - पूर्ति कीजिए । (किन्हीं पाँच) [१०]

१. काजु कमोदना
- काठियावाडी ।
२. न तो हमारे
- अपने ।
३. अन्यथा शरणं
- पुरुषोत्तम ।
४. मारे घेर आवजो
- हूँ घारी ।
५. फिर भी तुम
- सभी मिनारे ।

